The Aluminium Smelter with a production capacity of 2,18,000 tonnes per year of metal is proposed to be located at Talcher. The Smelter will be served by a captive power plant of appropriate capacity.

Construction of the plant will start after formation of the company to implement the project, appointment of consultants and finalisation of other formalities, necessary action for which is in progress.

Vanaspati Factories

625. SHRI CHANDRA PAL SHAILANI: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) the names and addresses of vanaspati factories in each State and Union Territory, as on 31st March, 1980;

(b) the break-up of the above mills/factories in the following form (a) working, (b) sick, (c) under construction alongwith names of location of such mills/factories; and

(c) whether Government intend to take over the management of sick mills/factories which are lying closed since 31st March, 1979?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES (SHRI RAJA MOHAN MOHANTY): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-1377/80].

(c) The taking over of sick industrial units depends on the circumstances of each case and is regulated under the provisions of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.

बैंक आफ इंडिया वाराणसी द्वारा बुनकरों को वित्तीय सहायता देना

626. **श्री जैनुल बशर** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच्च है कि बड़ी बाजार, वाराणसी में बैंक आफ इंडिया की शाखा मुख्यत: इस बैंक से बुनकरों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए खोली गई थी;

(ख) गत दो वर्षों के दौरान कितने बुनकरों को अलग अलग वित्तीय सहयता दी गई थी और इसकी राशि क्या है।

(ग) उपरोक्त अवधि के दौरान व्यपार, उद्योग आदि जैसे अन्य क्षेत्रों को अलग अलग कितनी सहायता दी गई थी और ऐसी सहायता कितने व्यक्तियों को दी गई थी ; और

(घ) क्या बुनकरों के नाम पर वित्तीय सहायता पाने वाले व्यक्ति वस्तुत: बुनाई के व्यवसाय में लगे हुए है ; इसका पता लगाने के लिए कोई जांच की गई है और यदि हां, तो इसके निष्कर्ष क्या है ?

वित्त मंत्रालय में उप वित्त मंत्री (श्री मगनभाई बारोट) : (क) समग्र कारोबार की संभावनाओं जैसे जमा के लिए प्राप्त होने वाली रकमों तथा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को दिये जाने वाले ऋण को ध्यान में रखते हुए बैंक आफ इंडिया की बड़ी बाजार शाखा 1975 मे खोली गयी थी।

(ख) बैंक की बड़ी बाजार शाखा में उत्तर प्रदेश रेशम बुनकर सहकारी संगठन (यू० पी० सिल्क वीवर्स कोआपरेटिव एसोसियेशन) लिमिटेड के माध्यम से, जो उत्तर-प्रदेश के अलग अलग बुनकरों तथा बुनकर सहकारी समितियों का शीर्ष संगठन है, लगभग 5770 बुनकरों की सहायता की है। इस संगठन का मुख्य कार्यकलाय सदस्यों द्वारा उत्पादित बनारसी रेशमी साड़ियों, पोशाक-वस्त्रों आदि की बिक्री की व्यवस्था करना है। बैंक ने वर्ष 1975 के दौरान कार्यचालन पूंजी के लिए इस संगठन को 6 लाख रुपये की नकद ऋण सीमा मंजूर की थी।

(ग) पिछले तीन वर्षों में इस शाखा द्वारा प्राथमिकता प्राप्त विभिन्न क्षेत्रों को दिये गये अग्रिमों तथा अन्य वाणिज्यिक अग्रिमों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(रकम लाख रुपए में)

	31 दिसम्बर, 1977		31 दिसम्बर, 1978		31 दिसम्बर, 1979	
	खाते	रकम	खाते	रकम	खाते	रकम
लघु उद्योग . .	23	7.21	28	8.54	32	11.37
कृषि . .	1	0.05	1	0.06	1	0.06
अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र .	38	2.38	48	3.10	37	3.54
कुल प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र . .	62	9.64	77	11.70	70	14.97
अन्य वाणिज्यिक अग्रिम .	12	1.89	23	1.91	32	1.32
जोड़ . .	74	11.53	100	13.61	102	16.29

(घ) इस मामले में औपचारिक रूप से कोई जांच नही की गयी है । परन्तु बैंक ने क्षेत्र निरीक्षणों के दौरान यह देखा है कि इस संगठन के सदस्य बुनकर अथवा इससे संबंधित सहकारी समितियां वास्तव मे बुनने के कार्य-कलाप में लगी हुई है ।

Denial of Licences to manufacture Vanaspati Ghee

627. SHRI R. P. YADAV: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether the applicants from Southern States have been denied licences to manufacture Vanaspati Ghee;

(b) if so, the reasons thereof; and

(c) the particulars in respect of Vanaspati Ghee consumption and supply in the country at present?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES (SHRI BRAJAMOHAN MOHANTY): (a) and (b). No, Sir.

(c) The production of vanaspati has, in recent years, matched the demand for vanaspati in the country. According to the report of the inter-Ministerial Study Group set up by the then Department of Civil Supplies and Co-operation in 1977, the estimated demand of vanaspati for the year 1980-81 is 7.17 lakh tonnes. The production from April to September, 1980 is about 3.56 MT which matches with the demand indicated above.